डेली न्यूज, जयपुर

23 SEP 2019

कहने को नगर निगम की सीमा में शामिल गांव... 25 साल बाद भी बुनियादी जरूरतों को तरस रहे

शहरी गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित

निगम की कई बैठक में प्रस्ताव आए, लेकिन हवा हो गए

लोग बोले – नेता आते हैं और बड़े वादे कर जाते हैं

रविकांत रोलीवाल

जयपुर ▷ 22 सितंबर

नगर निगम की सीमा में शामिल किए गए गांवों करीब 25 साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी बुनियादी जरूरतों के लिए जूझ रहे हैं। जबकि निगम की बैठक में प्रस्ताव दर प्रस्ताव आते रहे। उनको अमलीजामा पहनाने के लिए सदन की स्वीकृति मिलती रही, लेकिन आज तक इन गांवों के हालात जस के तस बने हुए हैं।

नगर निगम क्षेत्र के शहरी वार्डों में शामिल गांव के हालात जस की तस बने हुए हैं। इन गांवों को नगर निगम के क्षेत्र में लिए करीब 25 साल हो चुके हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं से ये वंचित हैं। निगम के गांवों के लोगों को शहरी जैसी सुविधाएं देने की बातें तो नेताओं ने खूब की, परंतु सुविधाएं न मिलने से आज भी गांवों के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लूनियावास का खोरी गांव 20 साल से देख रहा राह

गोनेर रोड वार्ड 50 में स्थित लूनियावास के पास खोरी गांव को नगर निगम में आए करीब 20 साल हो चुके हैं, लेकिन जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैए के कारण गांव के हालात जस के तस बने हुए हैं। खोरी गांव के लोग सड़क, पानी, सीवर लाइन जैसी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। लोगों ने बताया कि गांव को निगम क्षेत्र में आने पर खुशी हुई थी कि अब शहर की तरह गांव का विकास होगा। अब 20 साल बीतने के बाद भी आज तक कुछ विकास कार्य नहीं हुआ। नेता आते हैं और बड़े-बड़े वादे कर जाते हैं फिर पीछे आकर देखते भी नहीं हैं।

वार्ड 47 में एयरपोर्ट रोड स्थित टीलावाला गांव में सड़क बनी हुई नहीं है। बारिश में मिट्टी से कीचड़ हो जाता है।

टीलावाला गांव : बाहर सेक्टर रोड, बड़ी इमारतें, गांव में सड़क भी नहीं

प्रताप नगर के वार्ड 47 में एयरपोर्ट रोड पर स्थित टीलावाला गांव करीब 25 साल से नगर निगम क्षेत्र में है। कई बार सरकारें आई और गईं, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं हैं। गांव के चारों तरफ सेक्टर सड़क का जाल बिछाया गया है और बड़ी-बड़ी इमारतें बन गईं। आस-पास की कॉलोनियों में पूरी सुविधाएं हैं, लेकिन गांव में सड़क, सीवर लाइन, लाइट्स, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि गांव 25 साल से नगर निगम के अधीन है। गांव में आज तक सड़क तक नहीं बन पाई। लोगों को बारिश में कीचड़ में से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन झूठे आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

गोनेर रोड पर लूनियावास के पास खोरी गांव में भी बदहाली छाई हुई है।

सुखपुरिया गांव में भी सड़क, नालियों की स्थिति अच्छी नहीं है।

सुखपुरिया गांव : चक्कर ही लगा रहे लोग

प्रताप नगर के वार्ड 37 स्थित टोंक रोड पर सुखपुरिया गांव 25 साल पहले नगर निगम क्षेत्र में लिया गया था। गांव टोंक रोड से लगता हुआ है। गांव में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। लोगों ने बताया कि कई पार्षद आए और गए, लेकिन किसी ने गांव की सुध नहीं ली। चुनाव आते हैं तो विकास की गंगा बहाने की बात करते हैं। यहां पानी बड़ी समस्या है, निजी टैंकरों से 450 रुपए में पानी का टैंकर मंगाना पड़ रहा है। कई बार जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को चक्कर लगाने के बाद भी आज तक गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित है।